साथण

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा
अपरेल सूं जून-2020

चोखा बच्यार

बुडापो एक आंदी मअ उडबाळी एक चीलगाडी की जियां छ, एक बार थे बअठग्या तो फेर कांई बी न कर सकअ। -गोल्डा मीर

प्रकाशक
निर्माण सोसायटी, चाकसू

कावतां

1. लाल्या को होळी मअ कांई लागअ छ।

अर्थ :- दूसरों की वस्तुओं का उपयोग कर आनंदित होना।

2. चालणी का काम मअ, छाजळा को कांई दोस।

अर्थ :- स्वयं के किए हुए बुरे कार्यों में दूसरों का क्या दोष है?

संपादक :-
रामजी लाल बैरवा, पूरण मल बैरवा एवं बजरंग लाल बैरवा
सहयोगी :-
मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी एवं कविता योगी

पेळ्यां

1. चोपड़ू अर चापड़ी, भरूं भात। अब कांई-कांई घड़ू रअ, गोप्यां का नाथ।

अर्थ:- **चाक**

2. च्यार डलाईबर, एक सवारी। ऊंकअ पाछअ जनता सारी।

अर्थ:- **अरथी**

ढुंढाड़ी भासा मअ सरकार की योजना

परदानमन्तरी गरीब कल्याण योजना-2020

वित्त मन्तरी नअ गरीब लोगां कअ तोड़ी, परदानमन्तरी गरीब कल्याण योजना सूं 1.70 करोड़ रफ्यां की मदद करबा की घोसणा करी छ। ईंसूं गरीब लोगां नअ कोरोना वाइरस बेमारी सूं लड़बा मअ नरी सायता मलअली।

योजना की खास बातां :-

परदानमन्तरी गरीब कल्याण योजना भारत सरकार सूं चलायेड़ी एक योजना छ। ईं योजना नअ चलाबा को सरकार को यो मकसद छ कि ज्ये लोग मेनत मजदूरी करबाळा छ। वां लोगां को ईं कोरोना बेमारी मअ बडिया पालण-पोसण हअ सकअ। जियां थे सब जाणअ छ, कअ पूरा भारत मअ लोकडाउन लागर्यो छ। ईं टेम पअ गरीब आदम्यां कन खाबा कअ तोड़ी रासण नअ लेर बडी चन्ता छ। जिसूं सरकार ईं योजना सूं देस का सगळा गरीब लोगां नअ अन्न अर धन दोनी परकार की सायता करअली। ज्ये लोग मेनत मजदूरी सूं अपणो गुजारो करअ छ अब वअ ईं योजना सूं घरां बअठ्या अपणा परिवार को गुजारो कर सकअ छ।

गरीब कल्याण योजना मअ मलबाळा लाब :-

1. ईं योजान मअ सरकार (8.7 करोड़) पाळत्यां का बारा मअ सोची छ अर पाळत्यां नअ पी. एम. किसान योजना सूं 2000 हजार रफ्या अपरेल का मअना मअ दिया जावअलो।

2. परमटाळा (80 करोड़ लोगां) नअ तीन मअना (अपरेल, मई अर जून) तक दुगणो रासण गंऊं, चांवळ अर 1 किलो दाळ मलअली वो बी बिलकुल फिरी।

3. परदानमन्तरी गरीब कल्याण योजना, कोरोना वाइरस मअ काम करबाळा (22 लाख करमचारी) डागदर, नरस, सफाई करमचारी, आसा सहयोगणी, पुलिस करमचारी ओर बी दूसरा करमचार्यां की इलाज करती टेम दुरघटना मअ मोत हअ जावअ छ तो सरकार ईं योजना सूं 50 लाख को मुआवजो देली।

4. जन धन योजना मअ सरकार 40 करोड़ लुगायां नअ तीन मअना तक 500 रफ्या हर मअना मअ वांका खाता मअ डालअली।

5. सरकार अस्या लोगां नअ ज्ये (3 करोड़ लोग) विकलांग, विधवा, गरीब अर बडा-बूडा आदम्यां नअ आगला तीन मअना तक 1000 हजार रफ्या वांका खाता मअ डालअली।

6. उज्जवला योजना मअ सरकार आगला तीन मअना तक सगळा गरीबां नअ हर मअना मअ सीतमांत गेस सलेंडर देली।

7. स्वयं सायता समू, 63 लाख समू का स्याब सूं 85 करोड़ परिवारां नअ लाब मलअलो। जिंमअ सरकार पअली 10 लाख तक को लोन देवअ छी अर अब ईंनअ बडार 20 लाख तक को करदी।

8. नरेगा मअ काम करबाळा गरीबां नअ पी.एम. योजना मअ 1 अपरेल-20 सूं नरेगा मअ काम करबाळा नअ पअली मजदूरी 182 रप्या देवअ छा अर अब ईंनअ बडार 202 रप्या दन का देला। मजदूरी बडबा सूं मजदूरां नअ हर साल 2000 हजार रप्या को लाब मलअलो। जिंमअ 62 करोड़ परिवारां नअ लाब मलअलो।

9. पराइबेट कम्पन्यां मअ काम करबाळा मजदूर, जियां कोई कम्पनी मअ 100 लोगां सूं कम काम करबाळा छ ज्यांनअ हर मअना का 15,000 हजार रप्या सूं कम तनखा मलअ छी। वांनअ सरकार आगला तीन मअना तक वांका पी. एफ खाता मअ वांका मअना की तनखा को 12 परतिसत की जगां 24 परतिसत देली। जिसूं मजदूरां को रोजगार खोबा को खतरो कम हअ जावअलो।

10. मकान को काम करबाळा मजदूरां कअ तोड़ी सरकार 31,000 हजार करोड़ रप्या अलग सूं दी छ। ज्यांनअ सरकार निरमाण का काम मअ लेली। ताकि मजदूरी करबाळा लोगां नअ काम-धन्दो मल सकअ। जिंमअ लगभग 3.5 करोड़ मजदूर सामिल छ। सरकार यां मजदूरां की सायता करबा कअ तोड़ी अलग सूं नियम बणावली। ताकि मजदूरां की गरीबी कम हअ सकअ।

ईं योजना की जादा जाणकारी लेबा कअ तोड़ी परदानमन्तरी गरीब कल्याण योजना-2020 पअ जार देख सकअ छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ बात

ल्याळी, लळडी बणग्यो

एक बार की बात छ। एक गांव मअ एक गुवाळयो रअ छो। ऊंकन नरी-सारी लळडचां छी। वो नतकई लळडचां नअ जंगळ मअ लेर जावअ छो। वो जंगळी जन्दावरां की रुखाळी कअ ताणी दो गण्डक पाळ मेल्यो छो। ऊंका गण्डकड़ा लळडचां कन एक बी जंगळी जन्दावर नअ सांकड़अ न आबा दे छा। जंगळ मअ एक ल्याळी रअ छो। ल्याळी नतकई जंगळ मअ लळडचां नअ चरती देखअ छो। लळडचां नअ देखतांईं ल्याळी का मूण्डा मअ पाणी आज्या छो। वो हरदम लळडचां नअ खाबा बेई तांकतोई रअ छो, कअ कोई बी लळडी हात लागज्या। पण गण्डकड़ा कअ आगअ ल्याळी की पार न पड़अ छी।

एक दन गुवाळयो एक लळडी नअ मार'र ऊंको साग बणा लियो अर ऊंकी खाल नअ सूखबा बेई बारअ मेल दियो। ल्याळी ऊं खाल नअ देख लियो अर बच्यार लगायो कअ, मन या खाल मलज्या तो म्ह ईनअ पअर'र लळडचां कअ बीच मअ आराम सूं जा सकूं छूं अर मन मोखो मलतांईं कसी बी लळडी नअ मार'र खा सकूं छूं।

एक दन मोखो देख'र ल्याळी ऊं खाल नअ उण्डा सूं लेग्यो। दूसरअ दन गुवाळयो लळडचां नअ रामां मअ चराबअ लेग्यो जद, ल्याळी ऊं खाल नअ पअर'र लळडचां कअ बीच मअ घुसग्यो। गुवाळयो लळडचां नअ स्याम की टेम पअ घरां ल्यायो जद्यां, वो ल्याळी लळडचां कअ बीच मअ मल'र घरां आग्यो। जन्दाड़अ गुवाळया कअ घर मअ पांवणा आयेड़ा छा। पांवणा नअ देख'र गुवाळयो मांस रांदबा को बच्यार कर ले छ अर गुवाळयो लळडचां का बाड़ा मअ चलज्या छ। वो मांस रांदबा बेई सबसूं मोटी लळडी हेरबा लागज्या छ। गुवाळया कअ आखरी मअ जे लळडी की खाल पअर्यां छो, वोई ल्याळी हात लागज्या छ। गुवाळयो ऊंनअ पकड़'र मार दे छ अर ऊंको मांस रांद'र खाज्या छ। ल्याळी तो, लळडी को मांस खाबा का चक्कर मअ छो पण खुद को ई नम्बर आग्यो।

सीख:- दूसरां पअ घात घड़अ जिनअ कुवो त्यार लादअ छ।

कविता

बचतो रिज्यो रे साथिड़ा

बचतो रिज्यो रे साथिड़ा आयो कोरोना भारी।
वाइरस या इतनो जबर हअ, जग मअ छायो रे।
संकरमण फेलायो काळ कअ घास समायो रे॥(टेर)
चीन देस वुहान लेब सूं फअल्यो सारा जन-जन मअ।
यम को पअरो आज लग्यो छ, संसारी का हर घर मअ।
मत निखळज्यो रोड़ पअ बीरा काळ को सायो रे॥(1)
अमरिका बिरटेन पाक बी थर-थर कांप्यां जावअ रे।
रूस जरमनी इसपेन्या इटली बी, हांप्या जावअ रे।
सक्तिसाली बण्यां जो डोलअ, अब घबराया रे॥(2)
सोसल रो डिस्टेंस रांखज्यो, दो गज दूरी भाया रे।
दूरां सूईं करल्यो बातां, हात मिलाणो छोडो रे।
अपणी सुरक्सा तांईं बीरा, मूण्डअ मास्क लगाज्यो रे॥(3)
रिस्तेदारी भाई-सगां नअ, दूरां ईं समजा ज्यो रे।
जिन्दा रिया तो फेर मिलांगा, सांची बात बताज्यो रे।
अबकअ बीरा माफी मांगो, संकट आयो रे॥(4)
स्वच्छ भारत अभियान चालरियो देसड़ले मअ म्हारे रे।
सेनिटाइज करले खुद ने, हात स्याबण सूं धोले रे॥
बिना स्वच्छ मूह-हात कर्या, मत जीमण करज्ये रे॥(5)
गळा दरद खांसी जुकाम ओर बुखार आवे जब तन मअ।
सांस भर्यावअ, बडे तापकरम डील दुख्यावअ पल भर मअ।
होस्पिटल मअ डाक्टरां सूं जांच कराज्यो रे॥(6)
देसड़ल्यो परधान सेवक, लोकडावन ले आयो रे।
थारा म्हारा जीवन खातर, हात जोड़ समजायो रे।
परसासन की बात समजल्यो, ईंमअ हित सब पायो रे॥
विनवत कर गिरधारी खअर्यो, मनख बचाल्यो रे॥(7)

कवि गिरधारी लाल "गिरधर" (वरिष्ठ व्याख्याता)
राजोली, लालसोट, दौसा

भजन

मन लोबी नईं बिचारी रअ

मन लोबी नईं बिचारी रअ।
थारी, म्हारी करतां उमर हअगी सारी रअ॥(टेर)
नो-दस मास गरब मअ रांख्यो, माता थारी रअ।
बारअ निखाळो नअ, पूरण भगती करसूं थारी रअ॥
मन लोबी नईं बिचारी रअ..... ॥(1)
पांच मअ लागअ, पच्चीस मअ लाग्यो, थारी आई जुवानी रअ।
माता तो तन खारी लागअ, तरिया प्यारी रअ॥
मन लोबी नईं बिचारी रअ..... ॥(2)
कोडी-कोडी माया जोड़ी, बण्यो हजारी रअ।
एक तिमणी कअ खातिर ले नित, राड़ उधारी रअ॥
मन लोबी नईं बिचारी रअ..... ॥(3)
रूकज्या कण्ठ दसों दरवाजा, माची घ्यारी रअ।
कअत कबीर सुणो भाई साधो, होली थारी रअ॥
मन लोबी नईं बिचारी रअ..... ॥(4)

सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे, देशवालियों का मोहल्ला,
चाकसू, जयपुर, राजस्थान–303901
Ph.-01429-243997, 9982668204, 9887748510
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in